मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC-133

बी. ए. (सामान्य) संस्कृत

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

बी.एस.के.सी.-133 : संस्कृत नाटक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी खण्ड **अनिवार्य** हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

1. अधोलिखित श्लोकों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए— 15×3=45

(क) सीताभवः पातु सुमन्त्रतुष्टः सुग्रीवरामः सहलक्ष्मणश्च।
यो रावणार्यप्रतिमश्च देव्या विभीषणात्मा भरतोऽनुसर्गम्॥

अथवा

विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा, तपोधनं वेत्सि न मामुपस्थितम्।

स्मरिष्यसि त्वां न स बोधितोपि सन् कथां प्रमत्तः प्रथमं कृतामिव॥

(ख) अन्तर्हिते शशिनि सैव कुमुद्वती मे

दृष्टिं न नन्दयति संस्मरणीय शोभा।

इष्टप्रवास जनितान्यबलाजनस्य

दुःखानि नूनमतिमात्र सुदुःसहानि॥

अथवा

यात्येकतोस्तशिखरं पतिरोषधीना-

माविष्कृतोऽरूणपुरस्सर एकतोऽर्कः।

तेजोद्वयस्य युगपदव्यसनोदयाभ्यां

लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु॥

(ग) दुष्यन्तेनाहितं तेजो दधानां भूतये भुवः।

अवेहि तनयां ब्रह्मन् अग्निगर्भां शमीमिव॥

अथवा

चरति पुतिनेष हंसी, काशांशुकवासिनी सुसंहृष्टाः

मुदिता नरेन्द्र भवने त्वरिता प्रतिहाररक्षीव॥

खण्ड—ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : *निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तृत उत्तर (लगभग **500** शब्दों में) दीजिए।* 3×10=30

2. संस्कृत नाटकों की विशेषताएँ लिखिए।

3. 'मालविकाग्निमित्रम्' तथा 'शाकुन्तलम्' का परिचय लिखिए।

4. शूद्रक का परिचय एवं शैलीगत वैशिष्ट्य लिखिए।

अथवा

भवभूति एवं उनकी रचनाओं का परिचय लिखिए।

खण्ड—ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर न्यूनतम **250** शब्दों में लिखिए।* 5×5=25

5. विशाखदत्त के 'मुद्राराक्षसम्' का परिचय लिखिए।

6. नाट्य की उत्पत्ति के दैवी सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

7. दशरूपकों में नाटक क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

8. 'स्वप्नवासवदत्तम्' का परिचयात्मक वर्णन कीजिए।

9. भवभूति कृत 'महावीरचरित' नाटक का प्रतिपाद्य लिखिए।

10. राजशेखर का परिचय लिखिए।

11. 'एको रसः करुण एव निमित्तभेदात्' की व्याख्या कीजिए।